IRON AND STEEL INDUSTRY



LECTURE 2

डा. निसार अहमद

भूगोल बिभाग राम चरित्र सिंह कॉलेज

Mobile No.: 9258408868

Email address: ahmednisaramu@gmail.com

परिवहन एवं संचार

कच्चे माल को उद्योग केंद्र तक लाने तथा निर्मित माल की खपत के क्षेत्रों तक ले जाने के लिये सस्ते एवं कुशल यातायात की प्रचुर मात्रा में होना अनिवार्य है। मुम्बई, चेन्नई, दिल्ली जैसे महानगरों में औद्योगिक विकास मुख्यतः यातायात के साधनों के कारण ही ह्आ है।

बाज़ार

औद्योगिक विकास में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका तैयार माल की खपत के लिये बाज़ार की है।

सस्ती भूमि और जलापूर्ति

उद्योगों की स्थापना के लिये सस्ती भूमि का होना भी आवश्यक है। दिल्ली में भूमि का अधिक मूल्य होने के कारण ही इसके उपनगरों में सस्ती भूमि पर उद्योगों ने द्रुत गित से विकास किया है। उपर्युक्त भौगोलिक कारकों के अतिरिक्त पूंजी, सरकार की औद्योगिक नीति, औद्योगिक जड़त्व, बैंकिंग तथा बीमा आदि की सुविधा ऐसे गैर-भौगोलिक कारक हैं जो किसी स्थान विशेष में उद्योगों की स्थापना को प्रभावित करते हैं।

वितरण एवं व्यापार

लौह और इस्पात उद्योग की वृद्धि और विकास वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रतिबिंब है। लोहा और इस्पात उद्योग अपने विकास और उत्पादन पैटर्न में एक बदलती प्रकृति को दर्शाता है। के मध्य में अमेरिका, पश्चिमी यूरोप और जापान के अपेक्षाकृत विकसित देशों ने दुनिया के इस्पात उत्पादन का लगभग दो-तिहाई हिस्सा उत्पादन किया। लेकिन धीरे-धीरे स्थानिक पैटर्न बदल गया और अब यह उत्पादन का हिस्सा विकासशील क्षेत्रों में स्थानांतरित हो गया है। पिछली सदी के अंत तक, चीन, दक्षिण कोरिया, ब्राजील और भारत जैसे देशों में इस्पात उत्पादन में वृद्धि ने द्निया में इस्पात उत्पादन के पूरे ढांचे को बदल दिया है।

अब दुनिया में लोहे और स्टील के मुख्य उत्पादक चीन, जापान, अमेरिका, रूस, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, यूक्रेन, भारत, फ्रांस, इटली और ग्रेट ब्रिटेन हैं। अन्य इस्पात उत्पादक देश दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड, चेक गणराज्य, रोमानिया, स्पेन, बेल्जियम, स्वीडन, आदि हैं।दुनिया के प्रमुख देशों में लोहा और इस्पात उद्योग का स्थानिक वितरण पैटर्न इस प्रकार है:-





देशों के नाम	कच्चा लोहा (करोड़ टन)	कच्चा इस्पात (करोड़ टन)
चीन	131.23	128.5
जापान	80.5	105.4
संयुक्त राष्ट्र अमेरिका	47.9	102.0
रूस	43.3	55.6
जर्मनी	27.3	41.7
दक्षिण कोरिया	24.8	43.4
ब्राजील	27.7	27.8
यूक्रेन	25.7	31.7
भारत	21.3	26.9



यह इस तालिका से स्पष्ट हो जाता है कि चीन दुनिया में लोहे और इस्पात का प्रमुख उत्पादक है, जिसका उत्पादन कच्चा लोहा का लगभग 23.9% और दुनिया के उत्पादन का 17% कच्चा इस्पात का है।जापान 14.7% कच्चा लोहा और 13.9% कच्चा इस्पात उत्पादन के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।

संयुक्त राज्य अमेरिका उत्पादन में पहले प्रथम स्थान पर था परन्तु अब अमेरिका रूस के बाद दुनिया में तीसरे स्थान पर है। भारत की स्थिति लौह और इस्पात उत्पादन में 9 वें स्थान पर है।क्रमशः 3.9 और 3.6% कच्चा लोहा और कच्चे इस्पात का उत्पादन होता है।

चीन

चीन में लोहे के फैब्रिकेटर की सबसे प्रानी प्रणाली है, जैसा कि इसके ऐतिहासिक रिकॉर्ड से स्पष्ट होता है।1953 में उनकी पंचवर्षीय योजना को अपनाने से पहले तक, चीन के पास आध्निक प्रकार का लोहा और इस्पात निर्माण नहीं था। चीन ने लोहे और इस्पात उद्योग का विकास किया है और अब यह द्निया में लोहे और इस्पात का सबसे अधिक उत्पादन करने वाला देश है। 1973 के बाद से, चीन में इस्पात उत्पादन में वृद्धि हुई है और 15 वर्षों के भीतर चीन कच्चे इस्पात के उत्पादन को 217 % तक बढ़ाने में सक्षम रहा था। उस अविध के खपत में 300 % की वृद्धि हुई हैं। यह वृद्धि दर स्पष्ट रूप से औद्योगीकरण की तेज गति को प्रकट करती है जो अभी चीन में चल रही है।लोहा और इस्पात उद्योग अनशन, वुहान और पाओटो त्रिकोण में केंद्रित है। जापानी द्वारा मैनच्रिया के अनशन में चीनी म्ख्य भूमि में सबसे बड़ी लोहे और इस्पात की फैक्ट्री स्थापित की गई थी, लेकिन रूसी मदद से चीनियों द्वारा बह्त विस्तार किया गया। मंचूरिया में अन्य लौह और इस्पात उत्पादन केंद्र फ़्ष्न, पेनकी, शेनयांग, हार्फिन और किरिन हैं।व्हान स्टील प्लांट अभी विस्तार की प्रक्रिया में है। अन्य कम व्यापक एवं नए स्टील प्लांट टायर्सिन, तांगशान, नानिकंग, शंघाई, आदि में बनाए जा रहे हैं। चीन के महत्वपूर्ण लौह एवं इस्पात उद्योग के क्षेत्र निम्नलिखित हैं :-

- 1.दक्षिणी मंचूरिया,अनशन में चीन का सबसे बड़ा स्टील प्लांट है एवं पेंसिहु,मुक्डन में अन्य संयंत्र हैं।
- 2.शांसी लोहे और इस्पात उत्पादन का पुराना क्षेत्र है। इस क्षेत्र में ताइयुआन को एक प्रमुख इस्पात केंद्र के रूप में विकसित किया गया है।
- 3.निचली यांग्त्ज़ी घाटी:- इस क्षेत्र में हैंकोव, शंघाई, हयांग और चुंगिकंग लोहा एवं इस्पात उद्योग के मुख्य केंद्र हैं।
- 4.अन्य केंद्र पाओटो, चिनलिंग चेन, कैंटन, सिंगताओ और ह्आंगसिह में स्थित हैं।

चीन में लोहे और इस्पात उद्योग का विकास शानदार रहा है। 1973 के बाद से, चीन ने स्टील के उत्पादन में 220 प्रतिशत की वृद्धि की है, हालाँकि स्टील की खपत में भी 300 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

TO BE CONTINUED...